# दिनांक ३० अप्रैल २०१३ को देवघर में माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण

परम आदरणीय राष्ट्रपति महोदय, सांसदगण, विधायकगण, परामर्शीगण, मुख्य सचिव सहित सभी अधिकारीगण, स्वतंत्रता सेनानीगाण, पत्रकार बंधुओं और झारखण्ड के मेरे प्यारे भाइयों एवं बहनों व बच्चों।

विश्व की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी देवघर में मैं यहाँ की अवाम की ओर से माननीय राष्ट्रपति महोदय का दिल की गहराई से अभिनन्दन करता हूँ। देवघर झारखण्ड की सांस्कृतिक राजधानी के नाम से जाना जाता है। इस शिवनगरी में देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ की पूजा करने आते हैं। इस पवित्र स्थल से महान हस्तियों जैसे- स्वामी सत्यानन्द जी, ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी, का लगाव रहा है। यह स्थान आपसी भाईचारे और अटूट सांप्रदायिक सौहार्द के लिए भी जाना जाता है। हमें आज इस बात की बेहद खुशी है कि प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के बाद आप दूसरे राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने इस जमीन पर पाँव रखा है।

राष्ट्रपति महोदय का यहाँ आना यह दर्शाता है कि वे इस क्षेत्र के विकास के प्रति कितने संवेदनशील हैं? आप सभी को मैं बताना चाहूँगा कि आज माननीय राष्ट्रपति महोदय के द्वारा

जिस ''क्यू कॉम्प्लेक्स'' का शिलान्यास हो रहा है, केन्द्र सरकार के स्तर पर इसकी स्वीकृति बतौर वित्तमंत्री के रूप इन्हीं के द्वारा ही दी गई थी।

जैसा कि सभी जानते हैं कि धार्मिक मान्यता के आधार पर श्रावण मास में देवघर का विशेष महत्व है। लाखों श्रद्धालू कामनालिंग पर जलार्पण के लिए करीब १०० कि०मी० का फासला तय कर सुलतानगंज स्थित गंगा से पवित्र जल काँवरों में लेकर देवघर पहुँचते हैं। श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होने के कारण उन्हें लंबी कतार में घण्टों खड़ा रहना पड़ता है। धूप की तपिश और बरसात के छींटों से उन्हें बहुत तकलीफ होती है। इस ''क्यू कॉम्प्लेक्स'' के बन जाने से उन्हें धूप और बरसात से निजात मिलने के साथ वे आसानी से पूजा-अराधना कर सकेंगे।

आज देवघर से बासुकीनाथ के बीच ४४ कि०मी० राज्य पथ के किनारे रात्रि में यात्रा करने के दौरान प्रकाश की सुविधा मुहैया कराने के मकसद से हर १५ मीटर पर ''सौर ऊर्जा चालित स्ट्रीट लैम्प या लाईट'' लगाने की परियोजना का भी शिलान्यास हो रहा है। इससे देवघर-बासुकीनाथ के बीच पैदल यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी। आज ही ''जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सोलर मिशन के तहत देवघर में स्थापित १४ मेगावाट क्षमतावाले ७ सोलर प्लांट'' का भी उद्घाटन हो रहा है जो राष्ट्रीय

जलवायु-परिवर्तन कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के मकसद से किया गया है। इससे इस तीर्थनगरी को अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त होगी।

राष्ट्रपति शासन के दौरान देवघर जिला सहित पूरे राज्य में विकास को रफ्तार दी गई है, आगे भी तरक्की की रफ्तार को तेज करने की हमारी कोशिश बरकरार रहेगी।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!